राष्ट्रीय कृषक विकास योजना के अंतर्गत प्रदेश की प्रथम उन्नत पशुआहार गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर में

पशु उत्पादन में प्रायः 60–70 प्रतिशत खर्च पशुपोषण पर ही होता है इसलिये यह आवश्यक है कि पशुओं के पोषण की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान दिया जाये, जिससे की पशुओं को संतुलित आहार मिले एवं उनका उत्पादन बढ़ाया जा सके। इसलिये यह आवश्यक हो जाता है कि पशुपोषण में प्रयोग किये जाने वाले खाद्य अवयवों का उचित मूल्यांकन किया जाये। हमारे देश में पशुखाद्य अवयवों की गुणवत्ता की जानकारी अच्छी तरह संग्रहित न होने के अभाव में हमें दूसरों देशों की जानकारी पर निर्भर रहना पड़ता है। पशुधन के सभी श्रेणियों में उत्पादन क्षमता पर आधारित संतुलित पशु आहार, पशुखाद्य अवयव, पशु वृद्धि उद्दीपक पदार्थ एवं विटामिन व खनिज पूरकों की गुणवत्ता मानक एवं गुणवत्ता आश्वासन सुनिश्चित करने के लिये प्रदेश में प्रभावी व्यवस्था स्थापित करने की तत्काल आवश्यकता है।

मध्यप्रदेश में उपलब्ध अधिकतर पशुपोषण प्रयोगशालाओं में पशुखाद्य अवयव एवं पशुआहार के विश्लेषण हेतु बहुत पुरानी एवं पारम्परिक विधियों का उपयोग किया जा रहा है जिसमें अधिक समय लगता है एवं परिणामों की विश्वसनीयता भी कम होती है एवं पशुआहार संयत्रों की प्रयोगशालाओं में भी पशुखाद्य अवयवों एवं पशुआहार की रसायनिक जॉच करने की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसलिये राज्य में पूर्ण कानूनी प्रमाण पत्र के साथ एक उन्नत पशुआहार गुणवत्ता परिक्षण हेतु प्रयोगशाला स्थापित करना आवश्यक है। इससे पशु एवं मनुष्यों के आहार की गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

आधुनिक उपकरण की कमी के कारण डेयरी, पोल्ट्री पशुआहार निर्माता एवं राज्य सरकार पशुधन विभाग के पशुखाद्य अवयवों एवं पशुआहार के नमूने मध्यप्रदेश के बाहर स्थित आधुनिक प्रयोशालाओं में विश्लेषण हेतु भेजे जाते थें जिससे की प्रदेश के किसानों एवं खाद्य निर्माताओं को कठिनाई एवं आर्थिक हानि होती थी। इसलिये राष्ट्रीय कृषक विकास योजना अंतर्गत प्रदेश की प्रथम उन्नत पशुआहार गुणवत्ता परिक्षण प्रयोगशाला पशुपोषण विभाग, पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यलय, जबलपुर में स्थापित कि गई है। इससे वैज्ञानिकों की देख रेख में पशुखाद्य अवयवों एवं पशुआहार की गुणवत्ता का परिक्षण खरीदे गये उन्नत उपकरणों के माध्यम से कम समय में सटीक तरीके से किया जा रहा है।

इस उन्नत पशुआहार गुणवत्ता परिक्षण प्रयोगशाला में एन. आई. आर., बॉम्ब कैलोरीमीटर, एच. पी.एल. सी., गैस क्रोमैटोग्राफी, आई. सी. पी. स्पैक्ट्रोमीटर एवं यू. वी. स्पैक्ट्रोफोटोमीटर इत्यादि आधुनिक उपकरण स्थापित किये गये है। इन उपकरणों के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले खाद्य नमूनों में अमीनो अम्ल रुपरेखा, वसायुक्त अम्ल रुपरेखा, स्थूल एवं सूक्ष्म खनिज तत्वों की मात्रा, विटामिन क्षमता, ऊर्जा क्षमता,

कीटनाशक अवशेषों की उपलब्धता, विरोधी पोषण कारकों एवं माइक्रोटॉक्सीन आदि का परिक्षण उचित कीमतों पर किया जा रहा है। यह प्रयोगशाला प्रदेश की ऐसी एक मात्र विश्वसनीय प्रयोगशाला है जिसमें की पशुओं के पशुआहार में प्रयुक्त होने वाले खाद्य अवयवों, सम्पूर्ण पशुआहार, खाद्यपूरक एवं पशुआहार उद्दीपक पदार्थ की गुणवत्ता का परिक्षण कम खर्च पर किया जाता है जिससे डेयरी, पोल्ट्री पशुआहार की गुणवत्ता बढ़ रही है जिससे सीधे पशुपालकों को आर्थिक लाभ हो रहा है।

इस नये आधुनिक पशुखाद्य गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला में खाद्य अवयवों एवं पशुआहार के नमूनों का विश्वविद्यालय द्वारा मान्य न्युनतम दरों पर गुणवत्ता पूर्ण परिक्षण किया जा रहा है। जिससे वर्ष 2017–18 में रुपये Rs.1,54,317=00 का राजस्व प्राप्त हुआ है।

इस आधुनिक पशुखाद्य गुणवत्ता परिक्षण प्रयोगशाला के फलस्वरुप मध्यप्रदेश के कृषकों, सरकारी संस्थाओं एवं पशु खाद्य निर्माताओं में खाद्य गुणवत्ता परिक्षण हेतु जागरुकता उत्पन्न हो रही है। साथ ही साथ समय–समय पर ग्रामीण एवं व्यवसायिक कृषकों व पशु खाद्य निर्माताओं की प्रतिक्रियायें भी ली जा रही है।